मेरी पहली चुदाई पड़ोस की सेक्सी भाभी की- 2

“न्यूड भाभी की मस्त चुदाई कहानी में पढ़ें कि मुझे भाभी के घर रहने का मौका मिला. उनकी बातें सुनकर मैंने उन्हें गले से लगा लिया और फिर … …”

Story By: सुशांत राज 14 (shushantraj)
Posted: Friday, February 5th, 2021
Categories: Sex Kahani
Online version: मेरी पहली चुदाई पड़ोस की सेक्सी भाभी की- 2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरी पहली चुदाई पड़ोस की सेक्सी भाभी की- 2

न्यूड भाभी की मस्त चुदाई कहानी में पढ़ें कि मुझे भाभी के घर रहने का मौका मिला. उनकी बातें सुनकर मैंने उन्हें गले से लगा लिया और फिर …

अंतर्वासना के पाठकों को सुशांत का प्यार भरा नमस्कार. मैं भाभी की चुदाई की कहानी आपको बता रहा था जिसकी अगली कड़ी मैं आपके लिए लाया हूं.

आगे बढ़ने से पहले मैं आपको बता दूं कि न्यूड भाभी की मस्त चुदाई कहानी के पहले भाग शहर में आकर चूत की तलाश
में आपने जाना कि कैसे मैं नये शहर में आया और यहां के अनजान वातावरण में खुद को मैंने धीरे धीरे ढाला.

मेरे घर के पास वाले घर में ही एक भाभी से मेरी नजरें टकराईं और एक दिन उसने मुझे खिड़की से मुठ मारते देख लिया. फिर धीरे धीरे मैंने उससे दोस्ती की.

एक दिन उसके बेटे के साथ छोटी सी घटना हुई. उसके बेटे को चोट लगी थी और भाभी ने मुझे उसके साथ ही रुकने के लिए कह दिया. मेरे लिये यह एक बहुत अच्छा मौका था और मैं झट से मान गया.

अब आगे की न्यूड भाभी की मस्त चुदाई कहानी :

भाभी मुझे आने से मना करने लगी वो बोली- मैं तुम्हारा खाना यहीं बना देती हूं, आज यहीं सो जाओ. सुबह चले जाना.

मुझे तो बस रुकने का मौका चाहिए था. मैं मन ही मन काफी खुश हुआ. मुझे लगा कि चलो आज कुछ करने का मौका मिलेगा, यही सोच सोच कर मैं खुश हो रहा था.

भाभी मुझसे काफी घुल गई थी और मुझसे आज अपने करीबी जैसा व्यवहार कर रही थी. मगर वो काफी उदास थी.
फिर मैंने भाभी से पूछा- आप इतनी उदास क्यूं हो ?
तो वो रोने लगी और बोली- आज अगर तुम नहीं होते तो क्या होता आज ?

मैं बोला- कोई बात नहीं भाभी, पड़ोसी के नाते मेरा भी तो फर्ज था.
फिर वो अपने पति का बुराई करने लगी- वो मुझे जरा भी इज्जत नहीं देते हैं. हमेशा मुझसे लड़ते रहते हैं और मुझे गालियां देते हैं. शादी से पहले का सारा प्यार खत्म हो गया.

इतना बोलकर वो और जोर से रोने लगी.
मैं उन्हें चुप कराने लगा.

वो मुझसे लिपट गईं.
उसके लिपटने से उसकी चूचियां मेरे सीने में दब रही थी.
मेरा लन्ड भी खड़ा हो गया. मैं भी भाभी को चुप कराने के बहाने से उनकी पीठ पर हाथ फेरने लगा.

शायद भाभी ने अंदर ब्रा नहीं पहन रखी थी. धीरे धीरे मेरा हाथ भाभी की कमर तक चला गया.
भाभी भी मेरे हाथ को महसूस करते हुए मज़े लेने लगी.

इससे मेरी हिम्मत बढ़ गयी और मैं भाभी के चूतड़ों पर हाथ रखकर उसे सहलाने लगा.

मैं उनके चूतड़ों पर अपना हाथ फेरने लगा. वो मुझसे और जोर से लिपट गई. शायद वो

अपनी चूचियों को और जोर से मेरे सीने से दबाना चाहती थी.

फिर भाभी ने भी अपना हाथ मेरी कमर में डाल दिया.
मैंने भाभी की आंखों में देखा तो वो बहुत प्यासी लग रही थी.
मैं भी समझ चुका था कि भाभी को क्या चाहिए … मैंने भाभी के होंठों को चूसना शुरू कर दिया.

वो भी मेरा साथ देने लगी.

फिर मैंने एक हाथ से उसकी चूचियों को दबाना शुरू किया जिनको मैं बहुत पहले से दबाना चाहता था. जो सपना मैं देखा करता था आज वो पूरा हो रहा था.

भाभी की चूचियों को जोर जोर से दबाते हुए मैं भी काफी उतेजित हो गया. मैं उनके होंठों को लगातार चूसता रहा. भाभी की चूचियां बहुत मुलायम और बड़ी बड़ी थीं.

मेरा लन्ड काफी बड़ा हो गया था और फटने को तैयार था. आज पहली बार किसी औरत को छूने का मौका मिला था.

भाभी मेरे लन्ड को उनकी चूत के पास रगड़ रही थी जो उन्हें महसूस हो रहा था.

फिर भाभी ने भी अपने हाथ नीचे ले जाकर मेरे लन्ड को सहलाना शुरू कर दिया.
मेरे तो जैसे पूरे शरीर में बिजली का करंट जैसा दौड़ने लगा. मेरे लन्ड से हल्का हल्का पानी भी निकलने लगा जो मुझे महसूस हो रहा था.

मगर पता नहीं क्यों फिर अचानक भाभी मुझसे अलग हो गई. मैं काफी उत्तेजित था और मैं फिर से भाभी की चूचियों को दबाने लगा.
भाभी बोली- अरे सब्र करो, तुम्हें जो करना हो आज कर लेना. अभी मुझे खाना बनाना है.

पहले मैं सारे काम कर लूं. उसके बाद तुम्हें जितनी मर्जी मज़े लेने हो ले लेना. आज से मैं तुम्हारी हूं.

उसके बाद भाभी खाना बनाने में लग गई।
मैं भी भाभी के साथ ही था. हम दोनों बातें करने लगे.

भाभी मुझे बताने लगी कि उनके पति उनके साथ अच्छा व्यवहार नहीं करते. वो कई दिनों से उनके साथ संभोग नहीं कर रहे हैं.

मतलब भाभी भी कामाग्नि में जल रही थी और इससे बेहतर मौका उन्हें भी नहीं मिल सकता था अपनी चूत की प्यास बुझाने के लिए.

भाभी बोली- मैं भी तुम्हारे लंड से कब से चुदना चाहती थी।

उसने जब से मुझे खिड़की से मुठ मारते हुए देखा था, तब से ही वो मेरा लंड लेना चाहती थी.
वो बोली- मैंने जिस दिन से तुम्हारे लंड को देखा था उसी को याद करके रोज रात में अपनी चूत में उंगली किया करती थी. तुम्हारे लंड के बारे में ही सोचकर झड़ जाती थी.

सेक्सी भाभी की चुदास भरी बातें सुनने के बाद अब मुझसे भी बर्दाश्त नहीं हो रहा था.
भाभी की बातें सुनकर मेरा लंड फुंफकारने लगा था. अब वो पैंट फाड़ने को तैयार था.

भाभी खड़ी होकर खाना बना रही थी. आज पहली बार भाभी की गान्ड मैं इतनी नजदीक से देख रहा था और मुझसे रहा नहीं गया.
मैंने भाभी की नाइटी ऊपर उठा दी जिससे उनकी गान्ड नंगी हो गई.

गोरी गोरी मस्त चिकनी गान्ड देखकर मेरे तो होश ही उड़ गये. भाभी की गांड तो मैंने

जितना सोचा था उससे भी ज्यादा मस्त थी. उनकी गान्ड का साइज 38 इंच था.

भाभी के मस्त गोल गोल चूतड़ों में मैं अपना लन्ड रगड़ने लगा और उनकी चूचियों को दबाने लगा.
इसके बाद मैं अपना लन्ड बाहर निकाल कर भाभी की गांड को देखते हुए जोर जोर से हिलाने लगा.

मेरा लंड बहुत देर से खड़ा था. मैं तेजी से मुठ मार रहा था और मेरे लंड से वीर्य निकल कर भाभी के चूतड़ों पर जा गिरा.
उसने अपने चूतड़ों को देखा और मुस्कराने लगी. फिर मैं शांत होकर खड़ा हो गया.

भाभी खाना तैयार कर चुकी थी. फिर हम दोनों ने साथ में खाना खाया.

उसके बाद सारा काम खत्म करके भाभी मेरे पास आयी. भाभी मुझे एक तौलिया देते हुए फ्रेश होने को बोली.
मगर मैंने कह दिया कि अगर मैं नहाऊंगा तो आपके साथ ही नहाऊंगा.

वो मान गयी और हम दोनों साथ में नहाने गये. मैं अंडरवियर पहने हुए था और भाभी ने नाइटी पहनी थी.

बाथरूम में जाते ही भाभी मेरे सामने अपनी नाइटी उठाकर मूतने लगी. उसकी चूत से शर्रर … की सुरीली आवाज़ निकल रही थी और मैं उन्हें मूतते हुए बड़े ध्यान से देख रहा था.
भाभी मुझे देखकर मुस्कुरा रही थी.

वो पेशाब करके उठी और अपनी नाईटी उतार दी. उसने नाईटी के अन्दर कुछ नहीं पहना था।

अब भाभी मेरे सामने पूरी नंगी थी. उसका गोरा बदन भगवान ने बहुत फुरसत से बनाया था.
भाभी के सीने पर दो सुडौल पपीते की आकार की चूचियाँ लटक रही थीं और उनकी टांगों के बीच में हल्के बालों से भरी हुई चूत उनकी जवानी को चार चाँद लगा रही थी.

उसकी पतली कमर के नीचे चौड़े चूतड़ जैसे कामदेव को भी दीवाना कर दें इतने कातिल थे. फिर मैं तो एक इंसान था. वो एकदम जैसे संगमरमर की बनी हुई खूबसरत मूरत के जैसी थी.

मेरे लन्ड का तो बहुत ही बुरा हाल हो गया था. मन कर रहा था कि यहीं पटक पटक कर भाभी को चोद दूं. मगर मैं रुका रहा क्योंकि मुझे भाभी के पूरे मजे लेने थे.

फिर भाभी ने मेरे अंडरवियर को उतार दिया. मेरा लंड पूरा तना हुआ और अकड़ कर खड़ा था. भाभी मेरे लन्ड को सहलाने लगी. मेरे लंड के बाल थोड़े बड़े थे.

भाभी को बड़े बाल पसंद नहीं थे. उन्होंने मेरे झांटों को कैंची से काटकर छोटा किया. फिर मेरे लंड पर साबुन लगाकर उसको साफ करने लगी.

भाभी के नर्म हाथों में लंड गया तो बात मेरी बर्दाश्त के बाहर हो गयी.
मैं भाभी की चूत पर अपना हाथ रखकर सहलाने लगा और उसमें साबुन लगाकर साफ करने लगा.

उनकी चूत पर मेरा हाथ रखे जाते ही भाभी चिहुँक उठी. वो मस्ती में मुंह से सिसकरियां निकालकर मजे लेने लगी.
आखिर में वो झड़ गयी।

फिर हम दोनों ने एक दूसरे को नहलाया और उनके बेडरूम में चले आये.

भाभी आज मेरे लिए पूरी तैयार होने लगी. मेरे लिए भी ये ज़िन्दगी का एक खास मौका था. भाभी ने सेक्सी सी ब्रा और पैंटी निकालकर पहनी और उसके बाद एक पारदर्शी हल्के लाल रंग की नाइटी पहनकर मेरे साथ लेट गयी.

मैं सिर्फ शॉर्ट्स में था. भाभी उन कपड़ों में बहुत ही खूबसूरत लग रही थी.

मैं उनके सारे बदन का मुआयना करने लगा. भाभी की चूचियों के उभार आज जैसे दो पहाड़ों जैसे दिखाई दे रहे थे.
उनके बड़े बड़े बाहर निकले नितम्ब मुझे बहुत दीवाना बना रहे थे.

भाभी मेरी ओर शरारत भरी नज़रों से देख रही थी. आज वो मुझे अपनी कामाग्नि में जलाने को तैयार थी.

मेरे ऊपर आकर भाभी मेरे होंठों को चूसने लगी. फिर उन्होंने मेरी जीभ को अपने मुंह में ले लिया और अपने होंठों का रस मेरे मुंह में डालने लगी.

मेरा हाथ भाभी की चूचियों पर चला गया और मैं उनकी चूचियों को दबाने लगा.
अब भाभी मेरे सीने के ऊपर चूम रही थी. मेरे छोटे छोटे निप्पल्स को चाट रही थी और हल्के दांतों से काट रही थी.

भाभी ने अपने हाथ को मेरे लंड के ऊपर रख दिया और उसे सहलाने लगी. भाभी के हाथ द्वारा छूते ही लंड फिर से फुंफकारने लगा.
अब भाभी भी पूरी जोश में थी. उसने अपना हाथ मेरे शॉर्ट्स में डाल दिया.

वो मेरे लौड़े को हिलाने लगी. फिर मेरे नीचे आकर मेरे शार्ट्स को खोलकर फेंक दिया.
मेरा लौड़ा अब उसके सामने नंगा खड़ा था.
वो मेरे बड़े लंड को देखकर खुश हो गई और मुंह में लेकर चूसने लगी.

भाभी को आज एक कुंवारा लंड चूसने का मौका मिल रहा था. वो मेरे सुपारे को अपनी जीभ निकालकर चाट रही थी. उसके मुंह में लेने से मुझे बहुत ही मज़ा आ रहा था.

चूसते हुए भाभी पूरे लंड को अपने मुंह में लेने की कोशिश कर रही थी लेकिन लंड काफी बड़ा था. मेरे टट्टों को सहलाते हुए वो दबाने लगी. फिर मेरे टट्टों को ऐसे चूसने लगी जैसे लग रहा था मानो भाभी आइसक्रीम चूस रही हो.
उसे चूसने में महारत हासिल थी.

लन्ड को चूसते हुए वो बोल रही थी- ये आज मेरी चूत को फ़ाड़ देगा. मेरी कई महीनों की प्यास बुझाएगा.
मैं झड़ने वाला था तो मैंने भाभी को चूसने से मना कर दिया.

अब चूसने की बारी मेरी थी.
मैं भाभी को नीचे लिटाकर उसकी बड़ी बड़ी चूचियों को दबाने लगा और उसकी गर्दन को चूमने लगा.
भाभी मदहोश होने लगी.

मैंने भाभी की नाइटी को उनके बदन से अलग कर दिया. भाभी रेड ब्रा और पैंटी में जन्नत की हूर लग रही थी. जैसे खुद परियों की रानी चलकर मुझसे चुदवाने आयी हो.

भाभी के बड़े बड़े आमों को मैं ब्रा के उपर से ही चूसने लगा. उनके निप्पल्स कड़क हो गये थे. भाभी की चूचियों को चूसते चूसते उन्हें ब्रा से आज़ाद कर दिया.

अब दोनों चूचियां मेरे सामने नंगी होकर मुझे चूसने का निमंत्रण दे रही थीं. मैं भाभी की निप्पल्स को दांतों से काटने लगा. वो सिसकारियां लेने लगी- आह्ह … स्स् … आह्ह … करते हुए मस्ती में चुसवाने लगी.

मैं उनकी बड़ी बड़ी चूचियों का रस पीता रहा. आज मुझे उससे पूरा रस निचोड़ना था. भाभी भी मेरे सिर को अपनी चूचियों पर दबा रही थी. मैं उसके निप्पल्स के चारों ओर अपनी जीभ को घुमा घुमा कर चूस रहा था.

अब मैं भाभी की नाभि को चूसने लगा. उनकी नाभि भी बहुत सेक्सी थी. अब मेरा एक हाथ भाभी की पैंटी में था.
भाभी अब पूरी जोर जोर से सिसकारियां लेने लगी.

भाभी की चूत में मैंने एक उंगली डाल दी. उनकी चूत गीली हो चुकी थी. अब बारी उनकी पैंटी उतारने की थी. जिसके लिए मैं कब से इंतजार कर रहा था वो वक़्त आने वाला था.

मैंने भाभी की पैंटी को उतार कर अपनी जीभ को उनकी चूत पर रखा तो भाभी उछल पड़ी. भाभी बोलने लगी- मेरे पति कभी मुझे इतने मज़े नहीं देते. तुम्हीं मेरे पति बन जाओ … मैं तुमसे ही चुदना चाह रही हूं.

अब मैं भाभी की चूत को चूस रहा था. भाभी की चूत की खुशबू बहुत मस्त थी.
मैंने अपनी एक उंगली भाभी की चूत में डाली और जीभ घुमा घुमाकर उसे चूसता रहा.

भाभी अपनी चूत मेरे मुंह में रगड़ रही थी. वो चाहती थी कि मैं उनकी पूरी चूत खा जाऊं. अब मेरा लौड़ा उफान पर था. अब वो जल्दी से चूत में घुसना चाहता था और उधर भाभी की चूत में भी आग लगी थी.

मैं देर न करते हुए भाभी के ऊपर आया और अपने सुपारे को चूत पर रगड़ने लगा. भाभी अपनी गान्ड हिलाने लगी और जल्दी डालने के लिए बोलने लगी.

उसे बस अब लंड चाहिए था. भाभी बोली- राजा … अब लंड डाल दो, मेरी चूत की प्यास बुझा दो. मुझे अपनी रखैल बना लो.

मैंने अपना लन्ड भाभी की चूत में डाल दिया.
भाभी की चूत कसी हुई थी. शायद वो कई महीनों से नहीं चुदी थी.

वो अपनी गान्ड हिला हिलाकर मेरा लन्ड लेने लगी. मुझे और जोर से चोदने को बोलने लगी.

मैंने अपनी पूरी ताकत लगाकर उसकी चूत की चुदाई करनी शुरू कर दी.

फिर मैंने भाभी को कुतिया बना दिया और पीछे से उसकी चूत में लंड डालकर खूब चोदने लगा.

वो भी मजे लेने लगी. मजे में वो बड़बड़ाने लगी- और चोदो राजा … पूरा लंड डाल दो … फाड़ दो मेरी चूत को … रण्डी बना मुझे … तेरी रखैल बनूंगी मैं … चोद चोद कर मेरी चूत को उधेड़ दे।

भाभी की चूत की गर्मी अब बहुत ज्यादा बढ़ गयी थी और अब वो किसी भी समय शायद झड़ने को हो गयी थी.
फिर कुछ देर के बाद वो चिल्लाते हुए झड़ गयी. उसकी चूत ने पानी छोड़ दिया और चुदाई में अब फच … फच … की आवाज आने लगी.

मैं अभी नहीं थका था. मुझे उसकी चूत से आती पच पच … फच फच … की आवाज बहुत जोश दिला रही थी. मैं लगातार भाभी को पांच मिनट तक और चोदता रहा.

फिर मेरा माल भी निकलने वाला था ; मैंने पूछा- कहां निकालूं ?
तो वो चूत में निकालने को ही बोली.

मैंने अपने पूरे रस को उसकी चूत में छोड़ दिया और निढाल होकर उसके साथ लेट गया।

आज वो पूरी संतुष्ट थी. उसकी आंखों में एक चमक थी जैसे वो मुझे धन्यवाद दे रही हो. आज मेरा भी सपना पूरा हुआ था। उस दिन मैंने भाभी को तीन बार चोदा.

वो पूरी तरह मेरी बीवी बन गई थी. मेरा बहुत ख्याल रखती थी। मेरा जब मन होता था वो मुझसे चुदवा लेती थी.

अब मैं उस शहर में नहीं हूं. मगर भाभी से आज भी मेरी बात होती है.

भाभी की चुदाई करने के बाद फिर मुझे चूत चोदने की लत सी लग गयी. उसके बाद मैंने कई औरतों को चोदा. उन सब लेडीज़ की चुदाई कहानी मैं एक एक करके आप लोगों को बताऊंगा.

आपको न्यूड भाभी की मस्त चुदाई कहानी कैसी लगी मुझे उसके बारे में जरूर बताना. मैं आप लोगों के मैसेज और प्रतिक्रियाओं का इंतजार करूंगा.
आप कहानी पर कमेंट्स करना न भूलें और यदि कोई और बात शेयर करना चाहते हैं तो मुझे मेरी ईमेल पर संपर्क करें.
shushantraj14@gmail.com

Other stories you may be interested in

मेरी पहली चुदाई पड़ोस की सेक्सी भाभी की- 1

इंडियन सेक्सी भाभी का सेक्स मुझे मिला. कैसे ? पढ़ाई के लिए शहर में मैंने एक रूम लिया. वहां पड़ोस वाली भाभी पर मेरा दिल आ गया. मैंने उसको कैसे पटाया ? अन्तर्वासना के सभी पाठकों को मेरा प्यार भरा नमस्कार। मैं […]
Full Story >>>

किस्सा ए दफ्तरी चुदाई- 3

गर्म औरत सेक्स स्टोरी में पढ़ें कि मेरे दफ़्तर की जूनियर स्टाफ लेडी ने मुझे खुश करने के लिए मेरे कमरे में आ गयी. मैंने उसकी चूत की चुदाई कैसे की ? मेरी गर्म औरत सेक्स स्टोरी के पिछले भाग जूनियर […]
Full Story >>>

लॉकडाउन में दो भाभियों की चुत चुदाई हुई

गाँव की सेक्सी भाभी की चूत चुदाई की मैंने लॉकडाउन के दौरान. मेरे साथ मेरा एक दोस्त भी था. हमें सेक्स करते किसी ने देख लिया तो … क्या हुआ ? दोस्तो, कई बार कुछ चीज ऐसे अवसर में भी अच्छी […]
Full Story >>>

किस्सा ए दफ्तरी चुदाई- 2

सेक्सी औरत की चुदाई कहानी में पढ़ें कि कैसे मेरे ऑफिस की कर्मचारी मुझे खुश करने के लिए मेरी मालिश करने लगी. मैंने उसे अपना लंड दिखा दिया. सेक्सी औरत की चुदाई कहानी के पिछले भाग मेरे दफ़्तर का सेक्सी […]
Full Story >>>

स्तन बड़े करने की विधि और चुत चुदाई

बिग बूब्स स्टोरी में पढ़ें कि मेरी गर्लफ्रेंड अपने स्तन बड़े करना चाहती थी. मैंने उसेक स्तनों की मालिश करके उसके बूब्स बढ़ाए और उसकी चूत चुदाई भी की. दोस्तो, एक बार फिर से मैं आप अभी के सामने एक […]
Full Story >>>